कैया घुंघटीयो उठाऊं | by Puja Nathani

कैया घुंघटीयो उठाऊं म्हाने पाप लागे
यो श्याम धणी भई मेरे धणी रो बाप लागे

बनी जद दुल्हनिया नयी रे नवेली
जद यो दिखायो मन्ने श्याम की हवेली
सबसे पहल्या खाटू गठजोड़े की जात लागे
यो श्याम धणी भई मेरे धणी रो बाप लागे

जद यो बाबा ने भजन सुनावे
नाचण की मेरे मन में आवे
घुंघटा और लाम्बा काढू चौखा नाच लागे
यो श्याम धणी भई मेरे धणी रो बाप लागे

कैसा बण्यो है संजोग रोऊँ मैं या हंसू मैं
जां का दर्शन ने आई वा से ही घूँघट काढू मैं

की के आगे रोऊँ बनवारी यो दुखडो
कोन्या देख पाई मैं तो श्याम को मुखडो
साँची बात मेरी सबने मज़ाक लागे
यो श्याम धणी भई मेरे धणी रो बाप लागे

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%98%e0%a5%81%e0%a4%82%e0%a4%98%e0%a4%9f%e0%a5%80%e0%a4%af%e0%a5%8b-%e0%a4%89%e0%a4%a0%e0%a4%be%e0%a4%8a%e0%a4%82-by-puja-nathani/